Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

विद्यालयीय सुगम्यता और शिक्षक सहयोग का दिव्यांग विद्यार्थियों की सहभागिता तथा आत्मविश्वास पर प्रभाव

पल्लवी मिश्रा[1] मंजू अग्निहोत्री[2]
[1]शोधार्थी, [2]शोध निर्देशक
[1,2]शिक्षा विभाग, सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी, रायसेन

1. प्रस्तावना

दिव्यांग विद्यार्थी की मुख्यधारा शिक्षा में उपस्थिति तभी सार्थक होती है जब वह कक्षा, पुस्तकालय, शौचालय, खेल और सहपाठी गतिविधियों में भाग ले सके। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम विद्यालय को भेदभाव रहित प्रवेश और युक्तिसंगत समायोजन का दायित्व देता है [1]। शिक्षा का अधिकार अधिनियम प्रत्येक बच्चे के लिए पड़ोस के विद्यालय की अवधारणा प्रस्तुत करता है [2]। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने बाधारहित परिसर और सहायक प्रौद्योगिकी के साथ शिक्षक तैयारी पर बल दिया है [3]। समग्र शिक्षा विद्यार्थियों की पहचान, साधन, परिवहन और विशेष शिक्षक सहयोग को एकीकृत करती है [4]।

राष्ट्रीय आधारपत्र ने विशेष आवश्यकता को विद्यार्थी की समस्या के स्थान पर शिक्षा व्यवस्था की उत्तरदायित्वपूर्ण चुनौती माना [5]। पाठ्यचर्या रूपरेखा विविध सीखने की गति और अभिव्यक्ति के विकल्प स्वीकार करती है [6]। अधिकार नियम सुगम्यता की मापनीय व्यवस्था की माँग करते हैं [7] और प्रशिक्षित पुनर्वास कर्मियों की गुणवत्ता भारतीय पुनर्वास परिषद से जुड़ी है [8]। संयुक्त राष्ट्र अभिसमय [9] तथा सामान्य टिप्पणी चार [10] समावेशी शिक्षा को अलग व्यवस्था से भिन्न स्पष्ट करते हैं।

सालामांका वक्तव्य ने सामान्य विद्यालयों को विविधता स्वीकार करने के लिए तैयार करने का आह्वान किया [11]। वैश्विक निगरानी प्रतिवेदन ने शिक्षार्थी को दोष देने के बजाय व्यवस्था की बाधाओं को पहचानने की बात कही [12]। विश्व दिव्यांगता प्रतिवेदन भौतिक वातावरण, परिवहन, जानकारी और दृष्टिकोण को सहभागिता के निर्धारक मानता है [13]। कार्यक्षमता वर्गीकरण भी व्यक्ति और परिवेश की अंतःक्रिया पर आधारित है [14]। यूनिसेफ ने बच्चों की आवाज और भागीदारी को समावेशन का आवश्यक मापदंड माना है [15]।

विश्व बैंक ने सार्वभौमिक अभिकल्पना, सुलभ शिक्षण सामग्री और विद्यालय स्तर की जवाबदेही सुझाई है [16]। भारतीय संदर्भ में सिंगल ने नीति और कक्षा व्यवहार के बीच अंतर बताया [17][18]। शिक्षक तैयारी की कमी [19] और समावेशन के प्रति अभिवृत्ति

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

[20] सीधे कक्षा अनुभव को प्रभावित करती है। झा ने संस्थागत और सामाजिक बाधाओं [21], जबकि जुल्का ने साधन और सहायता की उपलब्धता [22] पर बल दिया।

दिव्यांग विद्यार्थियों की भागीदारी परिवार, शिक्षक और साथियों के सहयोग से बढ़ती है [23]। गरीबी के साथ दिव्यांगता होने पर परिवहन और उपकरण की लागत बाधा को बढ़ाती है [24]। शिक्षक की सकारात्मक अपेक्षा विद्यार्थी के आत्मविश्वास से जुड़ी है [25]। भारतीय विद्यालयों के अनुभव बताते हैं कि स्वीकार्यता और मित्रता कक्षा में बने रहने के लिए महत्त्वपूर्ण हैं [26]। समावेशी शिक्षाशास्त्र एक ही पाठ को अनेक तरीकों से प्रस्तुत करने की सलाह देता है [27]। समावेशन सूचकांक विद्यालय संस्कृति, नीति और व्यवहार की समीक्षा में सहायक है [28]। माध्यमिक स्तर की भागीदारी [29] और ग्रामीण सुगम्यता [30] पर स्थानीय प्रमाण की आवश्यकता बनी हुई है।

यह अध्ययन चंदौली जिले के 50 दिव्यांग विद्यार्थियों पर केंद्रित है। विद्यालयीय सुगम्यता में प्रवेश मार्ग, कक्षा, शौचालय, संकेत, बैठने की व्यवस्था और पाठ्य सामग्री शामिल हैं। शिक्षक सहयोग में समझाने के विकल्प, अतिरिक्त समय, प्रोत्साहन, सहपाठी सहयोग और मूल्यांकन समायोजन रखे गए हैं। सहभागिता और शैक्षिक आत्मविश्वास को परिणाम चर माना गया है।

2. उद्देश्य

1. चंदौली जिले के दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध विद्यालयीय सुगम्यता और शिक्षक सहयोग का स्तर ज्ञात करना।
2. उच्च और निम्न सुगम्यता वाले विद्यालयों के विद्यार्थियों की सहभागिता की तुलना करना।
3. शिक्षक सहयोग, सहभागिता और शैक्षिक आत्मविश्वास के बीच संबंध का परीक्षण करना।

3. परिकल्पनाएँ

1. उच्च और निम्न विद्यालयीय सुगम्यता समूहों की सहभागिता में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।
2. उच्च और निम्न शिक्षक सहयोग समूहों के शैक्षिक आत्मविश्वास में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।
3. शिक्षक सहयोग और विद्यालयी सहभागिता के बीच कोई सार्थक सहसंबंध नहीं होगा।

4. शोध प्रविधि

4.1 शोध विधि

वर्णनात्मक सहसंबंधात्मक विधि अपनाई गई।

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

4.2 न्यादर्श

चंदौली जिले के आठ माध्यमिक विद्यालयों से कक्षा आठवीं से दसवीं के 50 दिव्यांग विद्यार्थी उद्देश्यपूर्ण चयन से लिए गए। इनमें चलन, श्रवण, दृष्टि और हल्की बौद्धिक दिव्यांगता वाले विद्यार्थी सम्मिलित थे।

4.3 उपकरण

विद्यालयीय सुगम्यता निरीक्षण सूची में 24 बिंदु, शिक्षक सहयोग मापनी में 20 कथन, सहभागिता मापनी में 18 कथन और शैक्षिक आत्मविश्वास मापनी में 16 कथन रखे गए। मापनियों की आंतरिक संगति 0.82 से 0.88 के बीच रही।

4.4 आँकड़ा संग्रह

विद्यालय परिसर का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया गया और विद्यार्थी को आवश्यक संप्रेषण सहायता देकर मापनियाँ प्रशासित की गईं। सहमति, गोपनीयता और स्वैच्छिक भागीदारी सुनिश्चित की गई।

4.5 सांख्यिकीय विश्लेषण

आवृत्ति, प्रतिशत, माध्य, मानक विचलन, माध्यांतर परीक्षण, सहसंबंध और बहु प्रतिगमन का प्रयोग किया गया। 0.05 महत्त्व स्तर स्वीकार किया गया।

5. परिणाम

तालिका 1 प्रतिभागियों का वितरण

दिव्यांगता प्रकार	संख्या	प्रतिशत
चलन संबंधी	16	32.0
श्रवण संबंधी	12	24.0
दृष्टि संबंधी	10	20.0
हल्की बौद्धिक	12	24.0
कुल	50	100.0

न्यादर्श में चार प्रकार की दिव्यांगताओं का प्रतिनिधित्व है। चलन संबंधी दिव्यांगता वाला समूह सबसे बड़ा है।

तालिका 2 विद्यालयीय सुविधाओं की उपलब्धता

सुविधा	उपलब्ध विद्यालय	प्रतिशत
प्रवेश रैंप	6	75.0
रेलिंग	4	50.0

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

सुलभ शौचालय	3	37.5
स्पष्ट संकेतक	3	37.5
सुलभ पाठ्य सामग्री	2	25.0

प्रवेश रैंप अपेक्षाकृत अधिक विद्यालयों में था, पर सुलभ शौचालय, संकेतक और पाठ्य सामग्री की उपलब्धता सीमित रही।

तालिका 3 सुगम्यता स्तर के अनुसार सहभागिता

समूह	संख्या	माध्य	मानक विचलन	माध्यांतर मान
उच्च सुगम्यता	25	65.72	8.31	4.08
निम्न सुगम्यता	25	55.88	8.74	

उच्च सुगम्यता समूह का सहभागिता माध्य 9.84 अंक अधिक है। अंतर सार्थक है और पहली शून्य परिकल्पना अस्वीकृत हुई।

तालिका 4 शिक्षक सहयोग के अनुसार आत्मविश्वास

समूह	संख्या	माध्य	मानक विचलन	माध्यांतर मान
उच्च सहयोग	25	61.44	7.68	4.55
निम्न सहयोग	25	51.26	8.13	

उच्च शिक्षक सहयोग समूह का आत्मविश्वास माध्य 10.18 अंक अधिक है। अंतर सार्थक है और दूसरी शून्य परिकल्पना अस्वीकृत हुई।

तालिका 5 अध्ययन चरों के सहसंबंध

चर युग्म	सहसंबंध गुणांक	निर्णय
शिक्षक सहयोग और सहभागिता	0.62	सार्थक धनात्मक
शिक्षक सहयोग और आत्मविश्वास	0.66	सार्थक धनात्मक
सुगम्यता और सहभागिता	0.57	सार्थक धनात्मक

शिक्षक सहयोग का सहभागिता और आत्मविश्वास दोनों से प्रबल धनात्मक संबंध मिला। तीसरी शून्य परिकल्पना अस्वीकृत हुई।

तालिका 6 सहभागिता के पूर्वानुमानकर्ता

पूर्वानुमानकर्ता	मानकीकृत प्रभाव	योगदान का स्वरूप
शिक्षक सहयोग	0.43	सकारात्मक
विद्यालयीय सुगम्यता	0.36	सकारात्मक
सहपाठी सहयोग	0.25	सकारात्मक

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

तीनों पूर्वानुमानकर्ताओं ने मिलकर सहभागिता में 52 प्रतिशत परिवर्तन की व्याख्या की। शिक्षक सहयोग का स्वतंत्र योगदान सबसे अधिक रहा।

निरीक्षण और विद्यार्थी प्रतिक्रियाओं में समान प्रवृत्ति मिली। केवल प्रवेश रैंप से पूर्ण सुगम्यता सुनिश्चित नहीं हुई। शौचालय, संकेतक, कक्षा व्यवस्था और पाठ्य सामग्री की कमी से गतिविधियों में भाग लेना कठिन रहा। शिक्षक द्वारा अतिरिक्त स्पष्टीकरण, उत्तर देने का समय और सहपाठी सहयोग उपलब्ध कराने पर सहभागिता बेहतर पाई गई।

6. निष्कर्ष

विद्यालयीय सुगम्यता और शिक्षक सहयोग दोनों दिव्यांग विद्यार्थियों की सहभागिता से जुड़े मिले। उच्च सुगम्यता वाले विद्यालयों में सहभागिता अधिक थी और उच्च शिक्षक सहयोग वाले विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बेहतर था। शिक्षक सहयोग का संबंध दोनों परिणामों से सबसे अधिक रहा।

विद्यालय सुगम्यता की वार्षिक जाँच केवल भवन प्रवेश तक सीमित न रहे। कक्षा, शौचालय, पुस्तकालय, खेल स्थान, संकेत और पाठ्य सामग्री को भी शामिल किया जाए। प्रत्येक दिव्यांग विद्यार्थी के लिए सहायता योजना बने और विषय शिक्षक, विशेष शिक्षक, अभिभावक तथा सहपाठी की भूमिका स्पष्ट की जाए।

न्यादर्श 50 विद्यार्थियों और आठ विद्यालयों तक सीमित है। विभिन्न दिव्यांगता प्रकारों की संख्या छोटी होने से उनके अलग निष्कर्ष सावधानी से पढ़े जाने चाहिए। बड़े न्यादर्श और प्रत्यक्ष कक्षा अवलोकन से आगे के निष्कर्ष अधिक मजबूत किए जा सकते हैं।

संदर्भ सूची

[1] भारत सरकार, 2016. दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम. नई दिल्ली: विधि एवं न्याय मंत्रालय।

[2] भारत सरकार, 2009. बच्चों का निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम. नई दिल्ली।

[3] भारत सरकार, 2020. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020. नई दिल्ली: शिक्षा मंत्रालय।

[4] शिक्षा मंत्रालय, 2023. समग्र शिक्षा की समावेशी शिक्षा संबंधी रूपरेखा. नई दिल्ली।

[5] राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, 2006. विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा पर राष्ट्रीय केन्द्रित समूह का आधारपत्र. नई दिल्ली।

[6] राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, 2023. विद्यालयी शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा. नई दिल्ली।

Kavya Setu
A Multidisciplinary Open Access, Peer-Reviewed Refereed Journal
Impact Factor: 7.2 ISSN No: 3049-4176

[7] सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, 2018. दिव्यांगजन अधिकार नियम और कार्यान्वयन दिशा निर्देश. नई दिल्ली।
[8] भारतीय पुनर्वास परिषद, 1992. भारतीय पुनर्वास परिषद अधिनियम. नई दिल्ली।
[9] संयुक्त राष्ट्र, 2006. दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों पर अभिसमय. न्यूयार्क।
[10] संयुक्त राष्ट्र दिव्यांगजन अधिकार समिति, 2016. समावेशी शिक्षा के अधिकार पर सामान्य टिप्पणी चार. जिनेवा।
[11] यूनेस्को, 1994. विशेष आवश्यकता शिक्षा पर सालामांका वक्तव्य. पेरिस।
[12] यूनेस्को, 2020. वैश्विक शिक्षा निगरानी प्रतिवेदन में समावेशन और शिक्षा. पेरिस।
[13] विश्व स्वास्थ्य संगठन और विश्व बैंक, 2011. विश्व दिव्यांगता प्रतिवेदन. जिनेवा।
[14] विश्व स्वास्थ्य संगठन, 2001. कार्यक्षमता, दिव्यांगता और स्वास्थ्य का अंतरराष्ट्रीय वर्गीकरण. जिनेवा।
[15] यूनिसेफ, 2021. देखे गए, गिने गए और सम्मिलित किए गए दिव्यांग बच्चे. न्यूयार्क।
[16] विश्व बैंक, 2018. दिव्यांग समावेशी शिक्षा की रूपरेखा. वाशिंगटन।
[17] सिंगल, निधि, 2006. भारत में समावेशी शिक्षा का वैचारिक और नीतिगत विकास. अंतरराष्ट्रीय समावेशी शिक्षा पत्रिका, 10, 351-369।
[18] सिंगल, निधि, 2008. समावेशी शिक्षा के लिए विद्यालयी सुधार की पड़ताल. शिक्षा विकास पत्रिका, 28, 151-160।
[19] दास, अजय, कुयिनी, अहमद और देसाई, इश्वरी, 2013. भारत में समावेशी शिक्षा के प्रति शिक्षक तैयारी. विशेष शिक्षा अंतरराष्ट्रीय पत्रिका, 28, 27-36।
[20] शर्मा, उदय, फोरलिन, क्रिस और लोरेमन, टिम, 2008. समावेशन के प्रति सेवापूर्व शिक्षकों की अभिवृत्ति. दिव्यांगता और समाज, 23, 773-785।
[21] झा, मदन मोहन, 2002. भारत में अवरोध और समावेशी शिक्षा. नई दिल्ली: पीयरसन शिक्षा।
[22] जुल्का, अनीता, 2005. विद्यालयों में समावेशी शिक्षा के कार्यान्वयन की समीक्षा. नई दिल्ली: राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद।
[23] ग्रोस, नोरा, 2004. दिव्यांग किशोर और युवा: समस्याएँ और चुनौतियाँ. एशिया प्रशांत दिव्यांगता एवं पुनर्वास पत्रिका, 15, 13-32।
[24] फिल्मर, डियोन, 2008. विकासशील देशों में दिव्यांगता, गरीबी और विद्यालयी भागीदारी. सामाजिक विज्ञान और चिकित्सा, 65, 1413-1419।

[25] कल्याणपुर, माया, 2008. भारत में समावेशी शिक्षा की समानता, गुणवत्ता और संख्या. अंतरराष्ट्रीय समावेशी शिक्षा पत्रिका, 12, 243-262।

[26] अलूर, मिथु, 2002. वे गणना में क्यों नहीं आए: भारत में दिव्यांग व्यक्तियों का नीतिगत बहिष्करण. नई दिल्ली: सेज प्रकाशन।

[27] फ्लोरियन, लानी और ब्लैक हाकिन्स, क्रिस्टीन, 2011. समावेशी शिक्षाशास्त्र का विकास. ब्रिटिश शैक्षिक अनुसंधान पत्रिका, 37, 813-828।

[28] बूथ, टोनी और आइन्स्को, मेल, 2011. समावेशन सूचकांक. ब्रिस्टल: समावेशी शिक्षा अध्ययन केंद्र।

[29] भारत के महापंजीयक, 2011. भारत की जनगणना में दिव्यांगता संबंधी आँकड़े. नई दिल्ली: भारत सरकार।

[30] राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, 2019. भारत में दिव्यांगजन: छिहत्तरवाँ दौर सर्वेक्षण. नई दिल्ली: भारत सरकार।